

248
2011

पत्रावली पेश हुई। पत्रों व वकील पत्रों अतुल्य
वार-वार आवाज दिलवानी जाने पर भी
पत्रों की ईतर से कोई उपस्थित नहीं। अतः
पत्रों का आवाज अदम्य हजरी अतः पत्रों
में खारिज किया जाता है। पत्रावली जिसका शुभ
होना लम्बा से का होना दफ्तर दीखता है।



(बृजेश कुमार)
सपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना (सीकर)